safbin
For Small Farmers Future

वर्षा आधारित क्षेत्र में
अनुकूलित खेती पर प्रयोग

मटका खाद

मटका खाद का प्रयोग सभी प्रकार की फसलो मे किया जा सकता हैं। इसमे प्रचुर मात्रा में पोशक तत्व पाया जाता है जो कि फसलो की बढ़ने में मदद करता हैं।

मटका + पानी (10 ली.) + गोमूत्र (2 ली.) + गुड (50 ग्रा.) + गोबर (2 कि. ग्रा.)

बनाने की विधी

सर्वप्रथम सभी सामग्री को जुटा लें फिर सबको एक साथ मिलाकर मटके या डिब्बे में डाल दें।

इसके बाद घोल को डंडे की सहायता से मिलाकर उसका मुँह अच्छी तरह सूती कपड़े से बाधकर छाया मे रख दें।

प्रतिदिन 2 बार इसको डंडे की सहायता से सीधे और उल्टे चलाते रहे और लगभग 5 से 6 दिनों मे यह खाद बनकर तैयार हो जाती हैं।

उपयोग

सर्वप्रथम गाढ़े घोल को अच्छी तरह छान लें इसके बाद 2 ली. खाद को 15 ली. पानी मे मिलाकर छिड़काव करें। इस खाद का छिड़काव 10 दिनो के अन्तराल पर करें।

सावधानिया

- ✓ छिड़काव करते समय ध्यान रखे कि खेत का पानी बह कर न जाये
- ✓ खेत की मेड़ को अच्छी तरह बॉध देना चाहिए
- ✓ छिड़काव करते समय मुह को अच्छी तरह कपडे से बाध ले
- ✓ खेत मे ज्यादा पानी होने पर छिड़काव नही करना चाहिए
- ✓ वारिश होते समय छिड़काव नही करना चाहिए
- ✓ हमेशा शाम के समय छिड़काव करना चाहिए

Co-Financed by
European Union
Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by
Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners
AFPRO
Action For Food Production

CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org

© Caritas India@2015